PRINCE SCHOOL
विद्याऽमृतमश्नुते
PRINCE SCHOOL
Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class IV to XII (Science, Commerce, Arts & Agriculture)
www.princeeduhub.com | Palwas Road, Sikar. Helpline : 9610-69-2222 | princeeducationhubsikar

Model Paper - I : 2024-25

Class - XII

Time : 3:15 Hours **Subject:- Hindi Literature** **M.M. : 80**

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES:

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:-

- ***Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsory.***
  परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
- ***All the questions are compulsory.***
  सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
- ***Write the answer to each question in the given answer-book only.***
  प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
- ***For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.***
  जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- ***Write down the serial number of the question before attempting it.***
  प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

01. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) 'देवसेना का गीत' प्रसाद के किस नाटक से लिया गया है? 1

(1) चंद्रगुप्त (2) ध्रुवस्वामिनी (3) स्कंदगुप्त (4) अजातशत्रु

(ii) 'भरत-राम का प्रेम' कवितांश में कौनसा रस व गुण विद्यमान है- 1

(1) शृंगार-माधुर्य (2) करुण-माधुर्य (3) वात्सल्य-माधुर्य (4) शांत-प्रसाद

(iii) अज्ञेय की संपूर्ण कविताओं का संग्रह है- 1

(1) सदावीरा (2) सदानीरा (3) सदाधीरा (4) सदाहीरा

(iv) हिन्दी का एक पुस्तकालय किसने खोला था? 1

(1) पं. केदारनाथ पाठक (2) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (3) पं. बालकृष्ण शर्मा (4) वामनगिरि

(v) हरगोबिन को आश्चर्य कब हुआ? 1

(1) जब बड़ी हवेली से बुलावा आया (2) जब देवरों को झगड़ते देखा

(3) जब मोदिआइन को पैसे माँगते देखा (4) जब गाड़ी में यात्रा कर रहा था

(vi) कौनसा गुण घनानंद की काव्य-शैली में नहीं है- 1

(1) लाक्षणिकता (2) वक्रोक्ति (3) वाग्विदग्धता (4) व्यग्रता

(vii) सूरदास की झोपड़ी में आग किसने लगाई? 1

(1) जगधर (2) भैंरो (3) सुभागी (4) मिठुआ

(viii) 'खेल में रोते हो' यह कथन किसने कहा- 1

(1) सूरदास ने (2) मिठुआ ने (3) घीसू ने (4) जगधर ने

(ix) विश्वनाथ त्रिपाठी ने हजारी प्रसाद द्विवेदी पर केंद्रित कौनसी पुस्तक की रचना की है? 1

(1) हिन्दी के प्रहरी (2) अद्धहमाण (3) व्योमकेश हरवेश (4) हिंदी आलोचना

(x) डोड़हा, मजगिदवा, भटिहा क्या है? 1

(1) फूल (2) पेड़ (3) फल (4) साँप

(xi) लेखक प्रभाष जोशी को पुराने दिन कब याद आ गए थे? 1

(1) टीवी पर वर्षा की लाइन पढ़कर (2) नागदा स्टेशन पर पहुँचकर

(3) मालवा क्षेत्र में पहुँचकर (4) इंदौर से गाड़ी से उतरने पर

(xii) किसे 'दृश्य काव्य' की संज्ञा दी जाती है- 1

(1) कविता (2) कहानी (3) नाटक (4) उपन्यास

(xiii) कथानक को कहानी का क्या कहा जाता है- 1

(1) प्रारम्भिक प्रारूप (2) प्रारम्भिक नक्शा (3) असली चेहरा (4) आरंभिक कथा

(xiv) पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप क्या होता है? 1

(1) फ़ीचर लेखन (2) स्तम्भ लेखन (3) आलेख लेखन (4) समाचार लेखन

(xv) निम्न में से कौनसा विशेष लेखन का क्षेत्र नहीं है- 1

(1) सिनेमा (2) मनोरंजन (3) समाचार (4) स्वास्थ्य

02. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिए-

(i) ओज गुण में _____ वर्ण की प्रधानता होती है। 1

(ii) जहाँ वाक्य रचना में किसी शब्द की कमी रह जाती है, वहाँ _____ दोष होता है। 1

(iii) 'रमन' शब्द में _____ गण है। 1

(iv) हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में _____ मात्राएँ होती है। 1

(v) 'का सरवरि तेहि देहूँ मयंकू। चाँद कलंकी की वह निकलंकू।।' काव्य पंक्ति _____ अलंकार है। 1

(vi) जहाँ कारण नहीं होने पर भी कार्य हो, वहाँ _____ अलंकार होता है। 1

03. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

नचिकेता जानना चाहता था कि मृत्यु के बाद जीवन है या नहीं, इसलिए उसने मृत्यु के देवता यम से प्रश्न किए। काफी आग्रह के बाद यम ने कहा कि देवों को भी इसका उत्तर नहीं पता है, लेकिन यम पता लगाने की कोशिश करेंगे। यम ने कहा कि जो मरता है, वह शरीर है, आत्मा नहीं, जो अनंत है। भौतिक जगत् या संसार से मोहित होकर हमारा मस्तिष्क विश्वास करता है कि अहं, जो बाहरी अनुभवों की अस्थायी उपज है, हमारी असली पहचान है। यह झूठी पहचान हमें विभिन्न ऐंद्रिक उत्तेजनाओं के प्रति इस ढंग से प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए प्रेरित करती है, जो अहं को संतुष्ट करती है। चूँकि कर्म के ब्रह्माण्ड व्यापी नियम के अनुसार सभी जीवों को अपने कर्मों से फल भोगने पड़ते हैं, इसलिए आत्मा को हर बार किसी शरीर के बंधन में बँधकर और पिछले कर्मों द्वारा निर्धारित परिस्थितियों में अनेक जन्मों से होकर गुजरना पड़ता है। मुक्ति या मोक्ष इस बोध से उपजता है कि हमारी आत्मा ही हमारी असली पहचान है। बोध तभी प्राप्त होता है जब योग के बल से मन को शिक्षित किया जाता है कि वह इच्छाओं से ऊपर उठे, धर्म के नियमों का पालन करे, अहं को जीते और सांसारिक प्रलोभनों का त्याग करे जो वैसे भी क्षणभंगुर है।

(i) इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा? 1

(ii) हमारी असली पहचान क्या है? 1

(iii) बोध कब प्राप्त होता है? 1

(iv) योग बल से मन को शिक्षित कैसे किया जाता है? 1

(v) नचिकेता किससे ओर क्या जानना चाहता था? 1

(vi) आत्मा को शरीर के बंधन में क्यों बँधना पड़ता है? 1

04. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं?
हैं हमी प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक भी हृदय
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हम से हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ, कब हमें न प्यारा।
फिर एक बार हे विश्व! तुम गाओ भारत की जय।

(i) इस पद्यांश उचित शीर्षक लिखिए। 1

(ii) कवि किस चीज के साक्ष्य दे रहा है? 1

(iii) किस वाक्य से वीरता प्रकट होती है? 1

(iv) शरणागत से यहाँ कैसा व्यवहार किया गया है? 1

(v) कवि किसकी जय बोलने के लिए कह रहा है और क्यों? 1

(vi) इस पद्यांश का सारांश लिखिए। 1

खण्ड–ब

प्रश्न संख्या 05 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 40 शब्द है।

05. "दु:ख ही जीवन की कथा रही। क्या कहूँ आज जो नहीं कही।" पक्तियाँ निराला की किस गहरी पीड़ा को व्यक्त करती है? संक्षेप में अपने विचार लिखे। 2

06. 'खाली कटोरों में वसंत का उतरना' से क्या आशय है? 2

07. रोगी बालक के प्रति गाँधीजी का व्यवहार किस प्रकार का था? 2

08. प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है? 2

09. लेखक प्रभाष जोशी ने ये क्यो कहाँ है कि "हम जिसे औद्योगिक सभ्यता कहते हैं वह उजाड़ की अपसभ्यता है? 2

10. "बिसनाथ के गाँव में एक फल ओर बहु इफरात से होता था"- उसे किस नाम से पुकारते थे? उसकी उपयोगिता बताइए। 2

11. 'दृष्टांत' अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए। 2

12. कविता कोने में घात लगाए बैठी है, यह हमारे जीवन में किसी भी क्षण बसंत की तरह आ सकती है। इन पंक्तियों से क्या तात्पर्य है? 2

13. उल्टा पिरामिड शैली को सचित्र समझाते हुए, उसमें ककारों का स्थान निर्धारित कीजिए। 2

14. पत्रकारीय विशेषज्ञता किसे कहते है? यह सामान्य पत्रकारिता से भिन्न कैसे है? 2

15. 'तुलसीदास' या 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

खण्ड–स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों के लगभग लिखिए।

16. 'तोड़ो' और 'गोड़ो' शब्द का अर्थ बताते हुए उसका अभिप्राय भी प्रस्तुत कीजिए। 3

अथवा

'सेह परिति अनुराग बखानिअ तिल–तिल नूतन होए' पंक्ति का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

17. 'पहचान' कहानी में राजा ने कौन–कौन से हुकम निकाले? सूची बनाइए और निहितार्थ लिखिए। 3

अथवा

'बालक बच गया' निबन्ध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालते हुए लेखक के शिक्षा संबंधी विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

18. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के माध्यम से हमें गाँव के बारे में क्या–क्या जानकारियाँ मिलती हैं? (शब्द सीमा 80 शब्द) 3

अथवा

"नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्त्रोत का सदा जीवित रहना है।" 'अपना मालवा' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

खण्ड–द

19. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+4=5

स्वातन्त्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगिकरण का मार्ग चुना, ट्रेजेडी यह रही है कि पश्चिम की देखादेखी और नकल में योजनाएँ बनाते समय–प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है – इस ओर हमारे पश्चिम–शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप भी निर्धारित कर सकते हैं, कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता।

अथवा

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है; जो समझत है कि दूसरे उसका उपकार कर रहे हैं, वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं; इतिहास–विधाता की योजना के अनुसार। किसी को भी उससे सुख मिल जाए बहुत अच्छी बात है, नहीं मिल सका कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि गलत है तो दु:ख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां गलत है।

20. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+4=5

यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है – गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा?
पनडुब्बा – ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा?
यह समिधा – ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा।
यह अद्वितीय – यह मेरा – यह मैं स्वयं विसर्जित–
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।

अथवा

आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौलों?
कहा मो चकित दसा त्यों न दीठि डोलिहै?
मौन हू सौं देखिहौं कितेक पन पालिहौ जू,
कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै।।
जान घनआनँद यौं मोहिं तुम्हैं पैज परी,
जानियैगो टेक टरें कौन धौ मलोलिहै।।
रूई दिए रहौगे कहाँ लौ बहरायबे की?
कबहूँ तौ मेरियै पुकार कान खोलिहै।।

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए– 6

(i) विद्यार्थी जीवन में योग का महत्त्व
(ii) यदि मैं प्रधानचार्य होता
(iii) इंटरनेट : ज्ञान की दुनिया – प्रयोग एवं सावधानियाँ
(iv) नखरालो राजस्थान